Publication : Gujarat Vaibhav **Date : Friday, 18th Jan, 2013**
Edition : Ahmedabad

इंडियाफर्स्ट ने 'ऑटो लाइफ' के दूसरे चरण का आरंभ किया

नई दिल्ली। भारत के दो सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों : बैंक ऑफ बड़ौदा व आंध्रा बैंक तथा जोखिम, संपत्ति व निवेश के क्षेत्र में यूके.की अग्रणी कम्पनी लीगल एण्ड जनरल के संयुक्त उपक्रम इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम 'ऑटो लाइफ' के दूसरे चरण की घोषणा की।

यह उद्घोषणा इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ.पी.नंदगोपाल ने की। इस मौके पर आंध्र प्रदेश के संयुक्त परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा) वी.वेंकटेश्वरलू भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर एफएडीए के अध्यक्ष मोहन हिमतसिंगका तथा एफएडीए के उपाध्यक्ष केवीएस प्रकाश राव भी मौजूद थे।

जीवन सुरक्षा के व्यवसाय में होने की वजह से हम इस बारे में ज्यादा जागरूक हैं कि जीवन कितना अनमोल है। तनाव का स्तर दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है और वाहन चालकों में धैर्य का स्तर चिन्ताजनक रूप से घटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑटोलाइफ एक जैसी सोच रखने वाले लोगों का खास क्लब है जो चाहते हैं कि हमारी अस्त-व्यस्त सड़कें, जिम्मेदार ड्राइविंग के द्वारा, सुरक्षित बने। ऑटोलाइफ हमारे लिए केवल एक फलसफा नहीं है बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। यह सिर्फ इस बारे में ही नहीं है कि हम अपने ऑटोमोबाइल के संबंध में उत्साहित है बल्कि यह सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में भी है, यह मानव जीवन के सम्मान के बारे में है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो 2011 के आंकड़ों के मुताबिक सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। 2010 के मुकाबले 2011 में 22 प्रतिशत ज्यादा मौतें दर्ज की गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह चेतावनी भी चिन्ताजनक है कि सन् 2020 तक भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों की तीसरी सबसे बड़ी वजह बनेंगी।

A Joint Venture of
Bank of Baroda Legal & General Andhra Bank